663

RJ-03

December - Examination 2017

B. A. Pt. II Examination

मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

Paper - RJ-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : ओ पेपर खण्ड 'अ', 'ब', 'स' माय बंट्यौड़ौ है। खण्ड 'अ' मांय सावछोटा, खण्ड 'ब' माय छोटा अर खण्ड 'स' माय मोटा पडूत्तर देवणा है। हरेक खण्ड आगै दियौडी हिदायतां मुजब आपरा पडूतर मांडौ।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सगळां सवालां रौ पडूत्तर देणौ जरूरी है। सबद सीमा 1 सबद, 1 वाक्य या अधिकतम 30 सबद है। हरेक सवाल 2 अंक रौ है।

1) (i) बालावबोध किणनै कैवै?

(ii) गुवविलीरै माय किण तरै रौ विवरण हुवै?

(iii) मुहणोत नैणसी री लिख्यौड़ी विगत रौ कांई नाम है?

(iv) मूंदियाड़ री ख्यात रै मांय किण राज्य रै इतिहास री जाणकारी है?

(v) वचनिका रा कितरा भेद मानीजै?

(vi) औक्तिक किण तरै री रचना रौ नाम है?

(vii) किणी दो दवावैत रा नाम बताऔ।

(viii) मध्यकालीन राजस्थानी गद्य री किणी एक विसेसता री जाणकारी दौ।

(ix) राजस्थानी गद्य रौ आरंभ किण सदी सूंमान्यौ जावै?

(x) किणी एक ऐतिहासिक वात रौ नाम बताओ।

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचे लिख्यां सवालां मांय सूं कोई चार सवाल करणा है। सबद सीमा 200 अंक री है। हरेक सवाल 10 अंकां रौ हौ।

2) बांकीदास री ख्यात माभै टिप्पणी लिखौ।

3) पट्टावली अर वंसावली रै मांय अंतर स्पष्ट करौ।

4) वात साहित्य री विसेसता वांरी जाणकारी देवौ।

5) मूंदियाड़ री ख्यात रौ परिचै दिराऔ।

6) विगत अर ख्यात रै मांय कांई अन्तर है?

7) सिलालेख सूं आप कांई समझौ?

8) पट्टा अर परवाना रौ अन्तर स्पष्ट करौ।

9) राजस्थानीरी प्रारंभिक गद्य रचनावां किण शैलीरी है?

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचे लिख्या सवालां मांय सूं कोई दो सवाल करणा है। सबद सीमा 500 सबद है। हरेक सवाल 20 अंक रौ है।

10) राजस्थानी ख्यात साहित्य माथे लेख लिखौ।

11) मध्यकालीन राजस्थानी गद्य विधावां री ओलखाण कराऔ।

12) मध्यकालीन राजस्थानी गद्य रै विकास री जाणकारी देवौ।

13) मध्यकालीन राजस्थानी कथेत्तर गद्य विधावारी जाणकारी दिराऔ।